College : Vaishali Mahila College
Teacher's Name : SHIVI SINHA
Designation : Assistant Professor (Guest)
Class : B.A. PART - III
Subject | Paper : PAPER - V
PHILOSOPHY OF RELIGION.

Scanned with CamScanner

B-A-III (HONOURS) Paper-V Philosophy of Religion
Foundation of Religious Beliefs: Reason & Faith

BY: SHIVI SINHA
ASST. PROF. (GUEST)
VAISHALI MAHILA COLL.

Date: 20/3/20

Topic - Reason - Introduction
विषय - बुद्धि - परिचय

परिचय :-

यह एक सुविदित तथ्य है कि धर्म और धर्मशास्त्र का आधार आस्था है, इसलिए प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि धर्म के क्षेत्र में तर्कबुद्धि की कोई भी भूमिका नहीं है। परन्तु वास्तव में ऐसा नहीं है क्योंकि आस्था को धर्म और धर्मशास्त्र का आधार मान लेने से यह निष्कर्ष नहीं निकलता है कि धर्मशास्त्र या श्रुति नितान्त तर्कबुद्धि विरोधी है।

आस्था को तर्क के द्वारा संपुष्ट, सबल और सुदृढ़ बनाया जा सकता है कि इसका आधार आस्था न होकर तर्क ही इसका आधार है। धर्म दर्शन का प्रमुख कार्य ही विभिन्न धर्मों के दावों और प्रतिदावों का तार्किक मूल्यांकन करना है। इसी प्रकार धर्म दर्शन तर्कबुद्धि के सहारे ही धर्म और धर्मशास्त्र में व्याप्त पूर्वाग्रह, मिथ्या, धारणा, अन्धविश्वास, रूढ़िवादिता और धार्मिक कट्टरतावाद,

Scanned with CamScanner

जैसी बुराईयों का निराकरण करने में सक्षम होता है। पुनः धर्म दर्शन तर्क की सहायता से ही सभी धर्मों के बीच समन्वय करते हुए सार्वभौमिक धर्म या विश्व धर्म या मानव धर्म की स्थापना में सफल हो पाता है। इस प्रकार धर्म दर्शन में तो तर्कबुद्धि की प्राथमिक भूमिका होती है।

Scanned with CamScanner